अवैध उत्खनन के खिलाफ तहसीलदार ने की बड़ी कार्रवाई

महिदपुर। क्षेत्र में अवैध उत्खनन के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। तहसीलदार महिदपुर संतुष्टि पाल के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध रूप से उत्खनन कर परिवहन की जा रही पीली मिट्टी से भरे चार ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त किया है। इसके अतिरिक्त मौके पर मौजूद एक खाली ट्रैक्टर-ट्रॉली को भी कार्रवाई के तहत जब्त किया गया है।

इस प्रकार कुल पांच ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को प्रशासन ने कब्जे में लिया है। कार्रवाई के दौरान यह भी पाया गया कि अवैध उत्खनन कार्य में एक जेसीबी मशीन का उपयोग किया जा रहा था। जिसके पीछे कोई बड़ा नाम बताया जा रहा है। जिसे भी मौके से जब्त कर लिया गया है। प्रारंभिक जांच में स्पष्ट हुआ कि बड़े पैमाने पर पीली मिट्टी का उत्खनन किया जा रहा था। प्रशासन ने नियमानुसार कार्रवाई की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। भूमि स्वामी एवं संबंधित व्यक्तियों की भूमिका की जांच की जा रही है तथा नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की जा रही है। तहसीलदार संतुष्टि पाल ने बताया कि अवैध उत्खनन और खनिज परिवहन के विरुद्ध प्रशासन की जीरो टॉलरेंस नीति है और भविष्य में भी इस प्रकार की अवैध गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील की है कि यदि कहीं अवैध उत्खनन या खनिज परिवहन की जानकारी मिले तो तत्काल प्रशासन को सूचित करें। इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध उत्खनन करने वालों में हड़कंप मच गया है और प्रशासन की सख्ती का स्पष्ट संदेश गया है।

इनका कहना है

लंबे समय से अवैध उत्खनन की शिकायतें प्राप्त हो रही थी। जिसको लेकर यह कार्रवाई की गई है। बता दें कि जहां से ट्रैक्टर ट्राली निकाली जाती है वहां पर एक स्कूल भी संचालित होता है। जिसको लेकर भी यह कार्रवाई की गई है।
संतुष्टि पाल, तहसीलदार महिदपुर

माकड़ौन वन मंडल द्वारा अनुभूति कार्यक्रम संपन्न

माकड़ोन। मध्य प्रदेश पर्यटन विकास बोर्ड, भोपाल के तत्वावधान में संचालित अनुभूति कार्यक्रम 2025-26 के अंतर्गत 19 जनवरी को माकड़ौन वन मंडल द्वारा एक ज्ञानवर्धक एवं रोमांचक शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में पीएम श्री कन्या विद्यालय तराना की नवी नाइंथ क्लास की 64 छात्राओं एवं पीएम श्री विद्यालय माकड़ोन की 11वीं-12वीं की 44 छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को पचेती डेम का भ्रमण कराया गया, जहां उन्हें वन्य जीवन, पर्यावरण संरक्षण एवं जैव विविधता की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें छात्राओं को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में विशेष योगदान देने वाले अधिकारियों में मदन सिंह मोरे, अंतर सिंह चौहान, योगेश कुमार सूर्यवंशी, अनुभूति कार्यक्रम के प्रेरक मास्टर ट्रेनर गया प्रसाद श्रीवास्तव, कालू सिंह चौहान, सनी शर्मा, लोकेश राठौर, मनीष जायसवाल, जितेंद्र चौहान, कमल सिंह, ओंकार सिंह चंदना, श्याम कारपेंटर उपस्थित रहे। पीएम श्री कन्या विद्यालय की प्राचार्य एवं दीदीगण उपस्थित रहे। समापन पर छात्राओं को उपहार वितरित किए गए, वहीं सभी छात्राओं एवं स्टाफ द्वारा मालवा का सुप्रसिद्ध भोजन कराया गया।

एक नजर में

महिदपुर के शासकीय चिकित्सालय में सुरेशचंद जैन के नेत्रदान

महिदपुर। ऐन सुबह वसीम मोहम्मद कुरैशी ने नेत्रदान प्रेरक राजेंद्र कोठारी को सूचना दी कि दीपक जैन ने अपने पिता सुरेशचंद्र जैन (बोहरा) के नेत्रदान का वैचारिक निर्णय बताया है। आज सुबह ही उन्हें श्वास की तकलीफ के कारण चिकित्सालय लाया गया था और वहीं उनका प्राणांत हुआ। कोठारी ने जवाहर डोसी पीयूष को बताया तो इस बात पर दोनों मिलकर चिकित्सालय नेत्रदान विषयक विचार की परिपूर्णता की जानकारी लेने पहुंचे। वहां पर कुछ सज्जनों ने बताया कि नेत्रदान करना है पर एक सज्जन इस बात पर अड़ गए कि जैसा शरीर हमें ईश्वर ने दिया है उसको उसी रूप में वापस ईश्वर के पास पहुंचाएंगे। उसको हमको खंडित नहीं करना है। इस पर डोसी ने बताया कि ईश्वर के पास यह शरीर तो जाता ही नहीं है। सिर्फ आत्मा ही जाती है पर फिर भी बात नहीं बन सकी तो उनके निवास पर उनके पुत्र से मिलना मुनासिब समझा। इस पर दोनों दीपक जैन के पास पहुंचे तो उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि नेत्रदान तो करना ही है। जब उनके सुपुत्र ने यह बात बड़ी संजीदगी से कही तो हम दोनों को भी ऐसा लगा कि वास्तव में जहां चाह, वहां राह है। गीता भवन न्यास समिति के नेत्रदान देहदान प्रभारी डॉ. जी एल ददरवाल उस समय मनीष तलाच के साथ नागदा से श्रीकांताबाई गेलडा के नेत्रदान उत्सर्जित कर खाचरौद के लिए रवाना हो चुके थे तो उनको वहीं पर रुकवाया और इस परिवार की सहमति प्राप्त हो जाने के बाद उन्हें महिदपुर आने का निवेदन किया। टीम के आने पर नेत्रदान प्रेरक जवाहर डोसी पीयूष डॉ. ददरवाल को लेकर शासकीय चिकित्सालय पहुंचे। जहां डॉ. महेश रामपुरे, वसीम मोहम्मद कुरैशी, डॉ. अनुनय शर्मा, साधना भगत, ऋषभ दावरे, गौतम दावरे, अर्जुन माली आदि ने अपना भरपूर सहयोग दिया।

राम कथा में शिव धनुष का आयोजन

घट्टिया। चारभुजा नाथ मंदिर प्रांगण में चल रही नौ दिवसीय श्रीराम में मंगलवार को सीता स्वयंवर का प्रसंग सुनाया गया। कथा व्यास राष्ट्रीय संत पं. राजेश्वर महाराज बड़नगर वाले ने शिव धनुष भंग की कथा सुनाई। शिव धनुष भंग, परशुराम राम सम्वाद कथा का नाट्य मंचन किया गया। आरती कर प्रसाद वितरण किया गया।

आजी मां शक्ति पीठ में अखण्ड रामायण, समापन पर हुआ विशाल भंडारा

उज्जैन। श्री आजी मां शक्ति पीठ में अखण्ड रामायण पाठ का आयोजन किया गया। इसके समापन पर विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन और श्रद्धालु शामिल हुए। बड़नगर रोड स्थित उजड़खेड़ा हनुमान मंदिर के पीछे स्थित श्री आजी मां शक्ति पीठ पर पिछले कई सालों से अखण्ड रामायण पाठ का आयोजन किया जा रहा है। इसके समापन पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सहेन्द्र सिंह और मन्दिर के मुख्य पुजारी 1008 शांति दास महाराज थे। अतिथियों ने श्री आजी माताजी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में शैलेन्द्र सिंह चौहान ने अतिथियों का स्वागत किया।

विद्यार्थियों को बताई स्टार्टअप से उद्यमिता की राह

महिदपुर। जब भी हमें कॅरियर चुनने का अवसर आता है, तो हम नौकरी की तलाश में जुट जाते हैं, लेकिन सिर्फ नौकरी करना ही कॅरियर नहीं होता। यदि आपके अंदर दृढ इच्छा हो तो आप नौकरी करने वाले की जगह नौकरी देने वाले उद्यमी भी बन सकते हैं। ऐसा ही प्रेरक और मार्गदर्शक नजारा शासकीय महाविद्यालय महिदपुर में स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस पर आयोजित कॅरियर मार्गदर्शन में देखने के लिये मिला, जिसका बडी संख्या में उपस्थित विद्यार्थियों ने लाभ लिया। प्राचार्य डॉ. आशा सक्सेना के मार्गदर्शन व एनसीसी अधिकारी डॉ. प्रभाकर मिश्र की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण प्राप्त स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. प्रज्ञा शर्मा ने जानकारी विद्यार्थियों को दी। संचालन डॉ. घनश्यामसिंह ठाकुर ने किया एवं आभार डॉ. राजेशकुमार माहौर ने व्यक्त किया।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप उज्जयिनी मेन का शपथ ग्रहण समारोह

उज्जैन। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप उज्जयिनी मेन की नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह भव्य एवं अनुशासित वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में फेडरेशन के कार्याध्यक्ष कीर्ति पंड्या तथा भोपाल से पधारे डिप्टी कमिश्नर सुधीर जैन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

समारोह में शपथ अधिकारी के रूप में फेडरेशन के प्रदीप चौधरी एवं उज्जैन रीजन अध्यक्ष नवीन जैन की विशेष उपस्थिति रही। स्वागत भाषण ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप पांड्या द्वारा दिया गया। इस अवसर पर ग्रुप एवं फेडरेशन के सभी पदाधिकारियों ने अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया। शुभारंभ मंगलाचरण से हुआ, जिसे कविता लुहाड़िया, नीतू जैन एवं कल्पना जैन ने प्रस्तुत किया। इसके पश्चात ग्रुप की बच्चियों द्वारा मंगलाचरण एवं स्वागत नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी गई।

जानकारी गजेन्द्र कासलीवाल ने देते हुए बताया कि शपथ ग्रहण समारोह में नव नियुक्त अध्यक्ष विपिन कासलीवाल, सचिव अनिल जैन, कोषाध्यक्ष शैलेन्द्र गंगवाल के साथ ग्रुप की संपूर्ण नवीन कार्यकारिणी ने अपने-अपने दायित्वों की शपथ ली एवं सामाजिक सेवा, संस्कार संवर्धन तथा संगठनात्मक सुदृढ़ता के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में बेस्ट कपल का पुरस्कार सुरेन्द्र-संगीता जैन को, बेस्ट फीमेल का पुरस्कार डॉ. अनुष्का जैन को तथा बेस्ट मेल का पुरस्कार डॉ. राजेश जैन को प्रदान किया गया। समारोह के संयोजक नितिन डोसी, दिलीप सोगानी, राजेश फाइनेंसर एवं प्रदीप झांझरी रहे। समारोह का प्रभावी संचालन रोशिता कासलीवाल एवं राजेश कासलीवाल ने किया। अंत में आभार नव नियुक्त सचिव अनिल जैन ने माना।

धार भोजशाला में बसंत पंचमी पर अखंड पूजा की मांग, वैदिक परंपरा के संरक्षण का आह्वान

उज्जैन। मध्य प्रदेश के धार स्थित भोजशाला को लेकर एक बार फिर सनातन संस्कृति और वैदिक परंपराओं के संरक्षण का विषय राष्ट्रीय विमर्श में है। बसंत पंचमी 2026 के पावन अवसर पर भोजशाला परिसर में सूर्य उदय से सूर्यास्त तक अखंड पूजा की अनुमति दिए जाने की मांग मप्र युवा शिव सेना गौ रक्षा न्यास व सर्व कल्याण बजरंग दल ने की है।

मप्र युवा शिव सेना गौ रक्षा न्यास के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष सर्व कल्याण बजरंग दल के राष्ट्रीय महासचिव मनीष सिंह चौहान, गोरक्षा न्यास के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी राजकुमार झांझोट ने बताया कि भोजशाला केवल एक ऐतिहासिक धरोहर नहीं, बल्कि प्राचीन काल में विद्या, संस्कृति और देवी सरस्वती की आराधना का प्रमुख केंद्र रही है। संगठनों का तर्क है कि भोजशाला की स्थापना एक वैदिक शिक्षा केंद्र के रूप में हुई थी और समय-समय पर हुए ऐतिहासिक आघातों के बावजूद इसकी मूल सांस्कृतिक पहचान आज भी जीवित है। हाल के वर्षों में उच्च न्यायालय के निर्देश पर हुए सर्वेक्षण और शोध कार्यों में सामने आए पुरातात्विक तथ्यों को भी इस मांग का आधार बताया गया है। ऐसे प्रमाण यह संकेत देते हैं कि यह स्थल भारतीय ज्ञान परंपरा से गहराई से जुड़ा रहा है। सनातन संगठनों ने अपने पत्रों के माध्यम से केंद्र एवं राज्य शासन, गृह विभाग और प्रशासन से यह अपेक्षा जताई है कि बसंत पंचमी जैसे सांस्कृतिक पर्व पर शांतिपूर्ण, मर्यादित और विधिसम्मत अखंड पूजा में सहयोग प्रदान किया जाए।

यह आयोजन किसी वर्ग, समुदाय या व्यक्ति के विरोध में नहीं, बल्कि भारत की साझा सांस्कृतिक विरासत और संविधान प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता की भावना के अनुरूप है। संगठनों ने स्पष्ट किया कि अखंड पूजा पूर्णतः शांतिपूर्ण, अनुशासित और प्रशासनिक दिशा-निर्देशों के अनुरूप होगी, जिससे सामाजिक सौहार्द, कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक गरिमा बनी रहे। उनका मानना है कि वर्षों बाद बसंत पंचमी का शुक्रवार को आना एक दुर्लभ संयोग है, और इस अवसर पर सांस्कृतिक आस्था को सम्मान मिलना चाहिए।

इस पूरे घटनाक्रम में प्रशासन और सरकार के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए यह आशा जताई गई है कि ऐतिहासिक, धार्मिक और संवैधानिक संतुलन बनाए रखते हुए उचित निर्णय लिया जाएगा, जिससे समाज में सौहार्द और विश्वास और मजबूत हो सके।

वक्ता बोले- भाषा, भावना और विचारों को अभिव्यक्त करने का सबसे सशक्त माध्यम

▶ भारतीय भाषाओं की आवश्यकता एवं उपयोगिता विषय पर राष्ट्रीय बेबिनार का आयोजन

उज्जैन। शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय में आज भारतीय भाषाओं की आवश्यकता एवं उपयोगिता विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का सफल आयोजन किया गया। हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आनंद सिंदल के संयोजन में संपन्न वेबिनार में मुख्य वक्ता के रूप में छत्रपति शिवाजी महाराज विश्वविद्यालय पनवेल मुंबई के कुलपति प्रोफेसर केसरी लाल वर्मा एवं काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी से डॉ. सत्यप्रकाश पाल और रायपुर से डॉ. राजेश दुबे उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की गरिमामयी उपस्थिति में उच्च शिक्षा विभाग, उज्जैन संभाग के अतिरिक्त संचालक डॉ. एच. एल. अनिजवाल, सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के कुलानुशासक डॉ. शैलेंद्र कुमार शर्मा तथा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वंदना गुप्ता सम्मिलित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. एच. एल. अनिजवाल के आशीर्वचन एवं शुभकामनाओं के साथ हुआ। अपने उद्बोधन में प्रोफेसर केसरी लाल वर्मा ने कहा कि कोई भी भाषा तभी समृद्ध होती है, जब उसके संचार और प्रयोग को व्यापक स्तर पर बढ़ावा दिया जाए।

डॉ. सत्यप्रकाश पाल ने भारतेंदु हरिश्चंद्र और बंकिम चंद्र चटर्जी के योगदान को रेखांकित करते हुए निज भाषा के गौरव को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल दिया।

डॉ. शैलेंद्र कुमार शर्मा ने भाषा के ऐतिहासिक विकास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भाषा, भावना और विचारों को अभिव्यक्त करने का सबसे सशक्त माध्यम है।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वंदना गुप्ता ने भाषा के महत्व को स्पष्ट करते हुए कहा कि भाषा केवल संप्रेषण का साधन नहीं, बल्कि सीखने की प्रक्रिया का मूल आधार है। प्रशासन, न्याय, मीडिया, तकनीक और शोधक् सभी क्षेत्रों में भाषा की अनिवार्य भूमिका है। भाषा वह दीप है, जो संस्कारों को प्रकाश प्रदान करता है। डॉ. कविता जैन मंगलम के प्रभावी एवं सधे हुए संचालन में संपन्न इस राष्ट्रीय वेबिनार के अंत में डॉ. रूपा भावसार ने आभार की अभिव्यक्ति की। आयोजन में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, छात्राएं तथा देशभर से विद्वज्जनों की उल्लेखनीय सहभागिता रही।

नटवरलाल स्नेही की पुण्यतिथि पर काव्य गोष्ठी में स्मृतियां हुई जीवंत

नागदा। साहित्य, राष्ट्रभक्ति और स्वतंत्रता संग्राम की चेतना को शब्दों में अमर करने वाले मालवा के गौरव राष्ट्रकवि स्व. नटवरलाल जी स्नेही की 28वीं पुण्यतिथि के अवसर पर स्नेही स्मृति मंच के तत्वावधान में एक गरिमामय काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया।

ब्राह्मण समाज युवा संस्कार परिवार के संयोजक निलेश मेहता ने बताया यह आयोजन रविवार सायं 5 बजे गांधीग्राम स्थित उनके निवास पर उनकी सुपुत्री प्रतिभा शर्मा एवं दामाद राजेश शर्मा द्वारा स्वर्गीय स्नेही जी की स्मृतियों को संजोने के उद्देश्य से किया गया। काव्य गोष्ठी में नगर के कवि, साहित्यकार एवं सुधीजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में गांधी मानस महाकाव्य के रचयिता, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं मालवा के गौरव स्व. नटवरलाल जी स्नेही को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। गोष्ठी का आयोजन कवि हरचरण सिंह चावला के विशेष आतिथ्य में हुआ, जिसकी अध्यक्षता सुरेश सोलंकी ने की तथा संचालन सुंदरलाल जोशी ने किया। इस अवसर पर कवि अशोक जी मृदुल, देवसिंह गुर्जर, कृष्णचंद्र पुरोहित, रविंद्र सिंह रघुवंशी, निलेश मेहता सहित अनेक साहित्यप्रेमी मौजूद रहे। जानकारी निलेश मेहता ने दी। जानकारी ब्राह्मण समाज युवा संस्कार परिवार के निलेश मेहता ने दी।

एक नजर ▶ **परिचर्चा विश्व पुस्तक मेले में प्रतिष्ठित सांस्कृतिक केंद्र भारत मंडपम प्रगति मैदान नईदिल्ली में हुआ**

व्यंग्य के रंग पुस्तक का भव्य लोकार्पण एवं परिचर्चा

उज्जैन। हिंदी साहित्य के क्षेत्र में व्यंग्य विधा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पहल के रूप में व्यंग्य के रंग नामक संकलन का लोकार्पण एवं परिचर्चा विश्व पुस्तक मेले में प्रतिष्ठित सांस्कृतिक केंद्र भारत मंडपम, प्रगति मैदान नई दिल्ली में आयोजित की गई।

इस पुस्तक में देश विदेश के 88 प्रतिष्ठित व्यंग्यकारों की श्रेष्ठ रचनाएं संकलित की गई है। जिनमें पांच व्यंग्यकार डॉ. बीएल आच्छा, डॉ. पिलकेंद्र अरोरा, डॉ. हरीशकुमार सिंह, राजेंद्र नागर निरंतर, मीरा जैन ने इस प्रतिष्ठित संकलन में उज्जैन शहर से स्थान पाया है। इस पुस्तक का प्रकाशन अद्विक पब्लिकेशन के द्वारा किया गया। इस अवसर पर आयोजित परिचर्चा में इस बात पर विशेष रूप से मंथन हुआ कि व्यंग्य साहित्य को अक्सर केवल हास्य का माध्यम समझा जाता है। इस पुस्तक में संकलित रचनाएं आम आदमी की पीड़ा, सत्ता की विडम्बनाएं, सामाजिक दिखावे, बदलते मूल्यों और आधुनिक जीवनशैली की विसंगतियों को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करती हैं। व्यंग्य के रंग एक ऐसा व्यंग्य-संग्रह है, जिसमें विविध विषयों, शैलियों और दृष्टिकोणों का अनूठा समावेश देखने को मिलता है। पुस्तक में शामिल 88 व्यंग्यकारों की रचनाएं यह सिद्ध करती हैं कि हिंदी व्यंग्य केवल एक शैली नहीं, बल्कि एक सशक्त वैचारिक आन्दोलन भी है।

इस महत्वपूर्ण व्यंग्य-संकलन का सम्पादन पवन कुमार जैन एवं परवेश जैन द्वारा किया गया है। दोनों सम्पादक हिंदी साहित्य के क्षेत्र में अपने सशक्त लेखन, गम्भीर दृष्टि और साहित्यिक प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते हैं। व्यंग्य के रंग में शामिल सभी 88 व्यंग्यकारों की रचनाएं इस बात का प्रमाण हैं कि हिंदी व्यंग्य आज भी जीवंत, प्रासंगिक और प्रभावशाली है। इस पुस्तक ने अनुभवी और स्थापित लेखकों के साथ-साथ नई प्रतिभाओं को भी समान मंच प्रदान किया जो साहित्यिक लोकतंत्र की सच्ची भावना को दर्शाता है।

इस साहित्यिक आयोजन में सभी साहित्यप्रेमियों, पत्रकारों, बुद्धिजीवियों, शिक्षाविदों और पाठकों को सादर आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर सम्पादक द्वय पवन कुमार जैन और परवेश जैन के अतिरिक्त सहयोगी रचनाकार डॉ. सुभाष चन्दर, डॉ. गिरीश पंकज, आचार्य राजेश कुमार, डॉ. लालित्य ललित, रण विजय राव, पंकज प्रसून, अर्चना चतुर्वेदी, रेनू अस्थाना, सीमा चड्ढा, विजय आनंद दुबे आदि भी उपस्थित थे।